ऑक्सी-ब्रीथ सिरप

धुआँ और प्रदूषण फेफड़ों में सूजन पैदा करते हैं.....

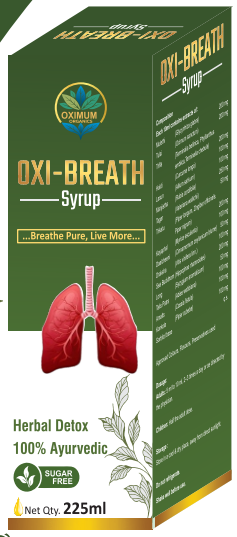

मुलेठी 200mg + तुलसी 200mg + त्रिफला 200mg + हल्दी 100mg + लहसुन 100mg + मंजिष्ठा 250mg + तगर 50mg + त्रिकुट 200mg + कायकल्प 100mg + दालचीनी 50mg +द्राक्षा 100mg + अमलवेतस 200mg + लौंग 50mg + तालिस पत्र 100mg +अमलतास 100mg + कंकोल 100mg

आधुनिक विज्ञान और प्राचीन आयुर्वेद का मिश्रण 5 तरीकों सेफेफड़ों को सही और सुरक्षित रखता है:

1. **एक्सपेक्टोरेंट :** फेफड़ों में बलगम के स्राव को बढ़ाता है, जो टार और थूक के प्लग को ढीला करता है।
2. **डिकॉन्जेस्टन्ट :** गले और श्वसन पथ में सूजन को कम करने में मदद करता है। फेफड़ों में सांस लेने और रक्त परिसंचरण में सुधार करता है।
3. **रक्त शोधन :** अन्य अंगों के कार्य में सुधार करके प्रदूषण और सिगरेट के धुएं के जहरीले रसायनों से रक्त को डिटॉक्सीफाई करता है।
4. **हीलिंग :** सिगरेट के धुएं से सेलुलर क्षति को कम करता है। सूजनरोधी क्षमता फेफड़ों में सूजन को दूर करने और झिल्ली को शांत करने में मदद करती है।
5. **सुरक्षा :** जड़ी-बूटियों के एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल और फफूंदनाशक गुण प्रदूषण और सिगरेट के धुएं के कारण होने वाले संक्रमण और एलर्जी की प्रतिक्रिया से छुटकारा पाने में मदद कर सकते हैं।

- धूम्रपान करने वालों की खांसी में मदद करता है
- एलर्जी वाली खांसी
- बलगम वाली खांसी
- वायरल में सहायक
- प्रदूषण और रसायनों के कारण फेफड़ों की क्षति
- हाइपरएसिडिटी प्रेरित खांसी और गले में खराश
- बैक्टीरियल या फंगल गले का संक्रमण
- अस्थमा का प्रबंधन
- मौखिक सबम्यूकोस फाइब्रोसिस के प्रबंधन में उपयोगी।

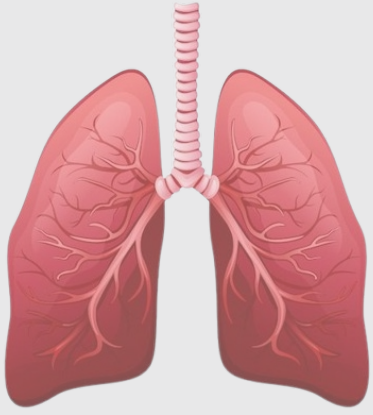

मात्रा:

वयस्क : 5 मि.ली. से 10 मि.ली., दिन में 2–3 बार

बच्चे : 1/2 & 1 चम्मच दिन में दो या तीन बार

नोट : बलगम वाली खांसी के लिए : 15-20ml गुनगुने पानी के साथ मिलाकर लें। टार क्लीन सिरप लेने के बाद 15–20 मिनट तक कुछ भी खाने से बचें।

Marketed By
QEE GREEN BOTNICA (OPC) PRIVATE LIMITED
REG OFF.- LIG207, PADAMDHER COLONY, REWA ,MP 486001/
CORPORATE OFF- KRISHNA TOWER , PADRA, REWA, MP 486001
Email Id: info@oximumorganics.com
Website: www.oximumorganics.com

OXI-BREATH
Syrup

Amalgam of Modern Science & ancient Ayurveda to Correct & Protect lungs by 5 ways

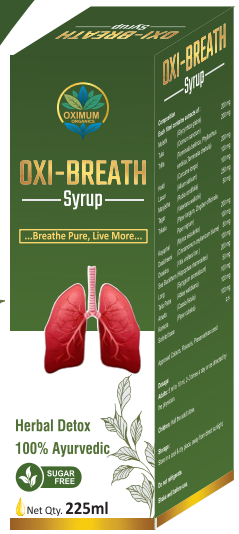

Mulethi + 200 mgTulsi + 200 mgTriphala + 200 mgHaldi (Turmeric) + 100 mg Lahsun (Garlic) + 100 mgManjistha + 250 mgTagar + 50 mgTrikatu + 200 mg Kayakalp + 100 mgDalchini (Cinnamon) + 50 mgDraksha (Grapes) + 100 mg Amlavetasa + 200 mgLaung (Clove) + 50 mgTalis Patra + 100 mg Amaltas + 100 mgKankol + 100 mg

1. Expectorant:
Increases the secretion of mucus in lungs, which loosenthe tar and sputum plugs.

2. Decongestant:
Helps in reducing inflammation in throat and respiratory tract. Improves breathing and blood circulation in lungs.

3. Blood Purification:
Detoxify blood from toxic chemicals of pollution and cigarette smoke by Improving funtion of other organs.

4. Healing:
Reduces cellular damage by cigarette smoke. Anti-inflammatory ability helps in removing inflammation in lungs and soothes irritated membranes.

5. Protection:
Anti-Bacterial, Anti-Viral and fungicidal properties of herbs may help to get rid of infection and susceptibility to allergic reaction due to pollution and cigarette smoke.

Indication:

* Helps in smokers cough, * Allergic cough,
* Productive cough, * Supportive in viral,
* Lung injuries due to pollution and chemicals,
* Hyperacidity induced cough and sour throat,
* Bacterial and or fungal throat infection;
* Management of Asthma;
* Useful in the management of oral submucous fibrosis.

Dosage:

Adults: 5 ml to 10 ml, 2–3 times a day

Children: ½ - 1 Teaspoon Twice or Thrice Daily

Note:

For Productive Cough: Take by mixing with 15-20ml luke-warm water. Avoid consuming anything for 15-20 min after taking TAR CLEAN SYRUP.